Sri Guru Nanak Dev Khalsa College

Post-Event Report

Event	**संवाद**
Topic	**शख़्सियत से मुलाक़ात**("आज़ादी का अमृत महोत्सव" के उपलक्ष्य में)
Organizer	**हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग**
Date	**23 फरवरी, 2022**
Time	**दोपहर 12:30 बजे**
Duration	**2:00 घंटे**
Place/Platform	**ज़ूम**
Number of Participants	**50+**
Guest Speaker/Trainer	**प्रो. रोहिणी अग्रवाल**
Welcome Speech	**महेन्द्र प्रताप सिंह**
Introduction to the Speaker	**महेन्द्र प्रताप सिंह**

Activities

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' द्वारा 23 फरवरी, 2022 को "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के उपलक्ष्य में शख़्सियत से मुलाक़ात कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12:30 बजे ज़ूम पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ आलोचक प्रो. रोहिणी अग्रवाल रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' के संयोजक महेन्द्र प्रताप सिंह ने मंथन और शख़्सियत से मुलाक़ात श्रृंखला का परिचय देते हुए अतिथि वक्ता के स्वागत से किया। तत्पश्चात् हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के द्वितीय वर्ष के छात्र हिमांशु शर्मा ने प्रो. रोहिणी अग्रवाल से वार्तालाप किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थीयों एवं शिक्षकों द्वारा प्रो. रोहिणी अग्रवाल से पूछे गए प्रश्नों का जवाब उन्होंने बड़ी बारीकी एवं सकारात्मकता के साथ दिया। अपने वक्तव्य से उन्होंने सभी को उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के सभी विभागों के प्राध्यापक व विद्यार्थी मौजूद थे। अंत में हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' के संयोजक महेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रो. रोहिणी अग्रवाल के प्रभाव और सहयोग की बात करते हुए औपचारिक रूप से सबका धन्यवाद किया।

Main ideas

प्रो. रोहिणी अग्रवाल ने अपने जीवन से जुड़े कई किस्सों पर प्रकाश डाला और अपने आसपास के परिवेश की चर्चा की। उन्होंने कहा कि जीवन हमेशा एक जैसा नहीं होता है। जीवन एक साइकिल की तरह होता है जो हमेशा चलते रहता है। जिसके बाद उन्होंने बताया की पढ़ना एक्सप्लोर करना होता है। पढ़ने से हमारे दिमाग को कल्पना और बुद्धि के क्षितिज अपार हो जाती है।

उन्होंने अपनी जीवन यात्रा की बात करते हुए बताया कि वह बहुत छोटी उम्र से ही लाइब्रेरी में जाकर किताबें पढ़ती थी। पढ़ते-पढ़ते ही उन्होंने लिखना भी शुरू किया। सबसे पहले उन्होंने कविताएं लिखी उसके बाद उन्होंने

आलोचनाएं लिखी और फिर अभी कविताएं लिख रही हैं। उन्होंने अपनी बाल्यावस्था का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने लिखना प्रारंभ किया। आरंभ से ही उन्हें स्त्री विषय पर लिखना ज्यादा पसंद था। हमारे समाज में स्त्रियों को पराया समझा जाता है। जिसको लेकर उनके मन में नए-नए विचार उत्पन्न हो रहे थे उन्होंने उसे अपनी लेखनी में शामिल किया। उन्होंने कहा कि अध्ययन से हम बहुत कुछ पा सकते हैं हमें ख़ूब अध्ययन करना चाहिए। अध्ययन करने के बाद अपने आप से सवाल करना चाहिए और उस सवाल का जवाब भी अपने आप से ही पूछना चाहिए। इसी के साथ-साथ समय का भी ध्यान रखना चाहिए। हमें समय के अनुसार चलना चाहिए जो समय के अनुसार चलता है वही जीवन में आगे बढ़ पाता है और वही मुकाम हासिल कर पाता है।		
Vote of Thanks	**।**	**महेन्द्र प्रताप सिंह**

Poster (Attach below)

Pictures (Attach Five Photos)

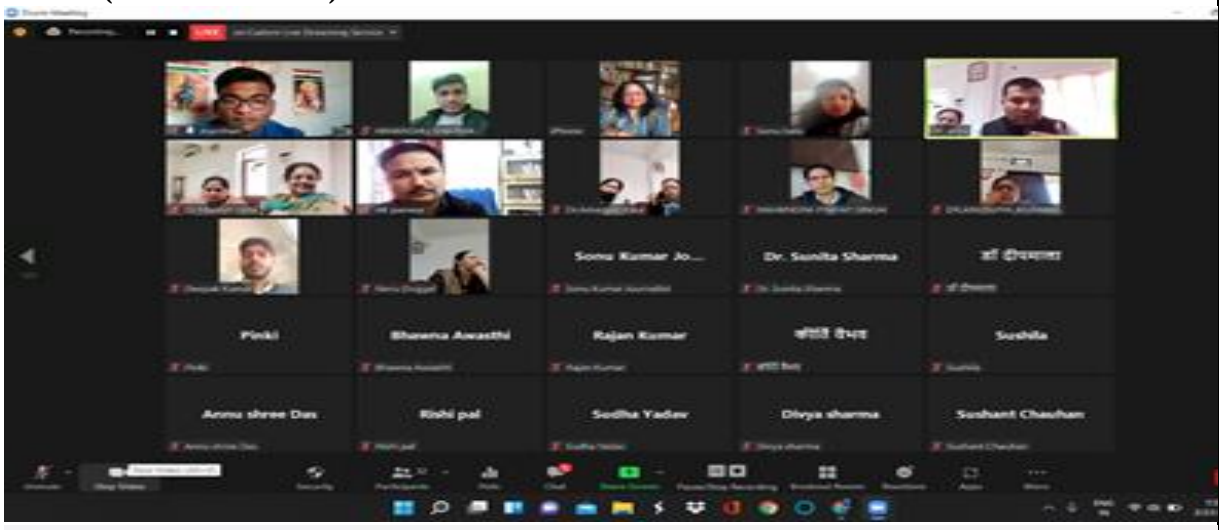

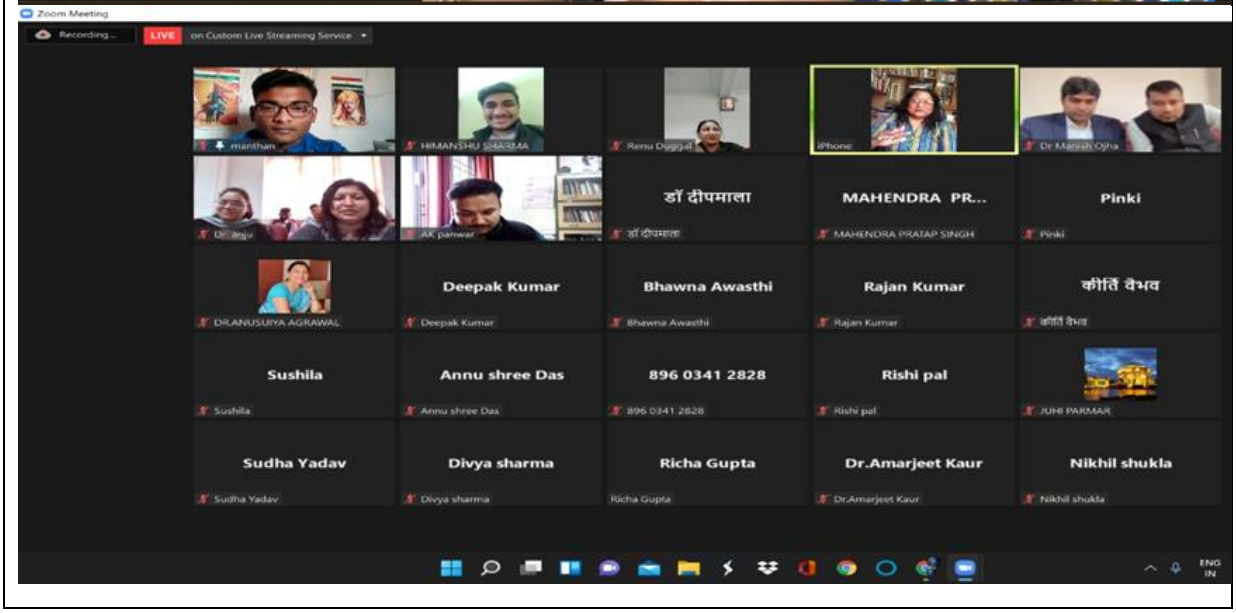

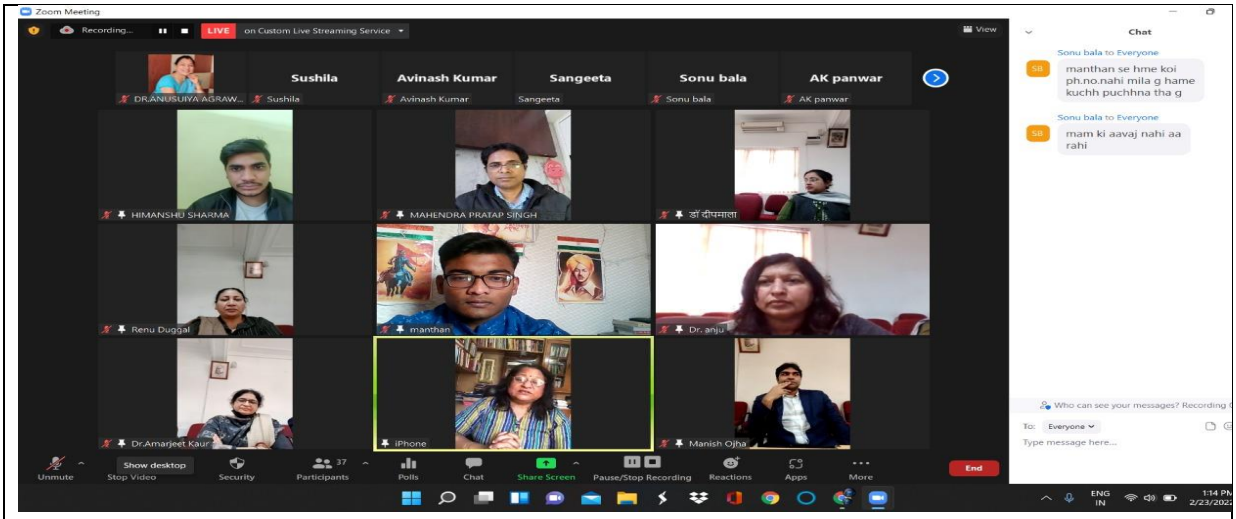

.

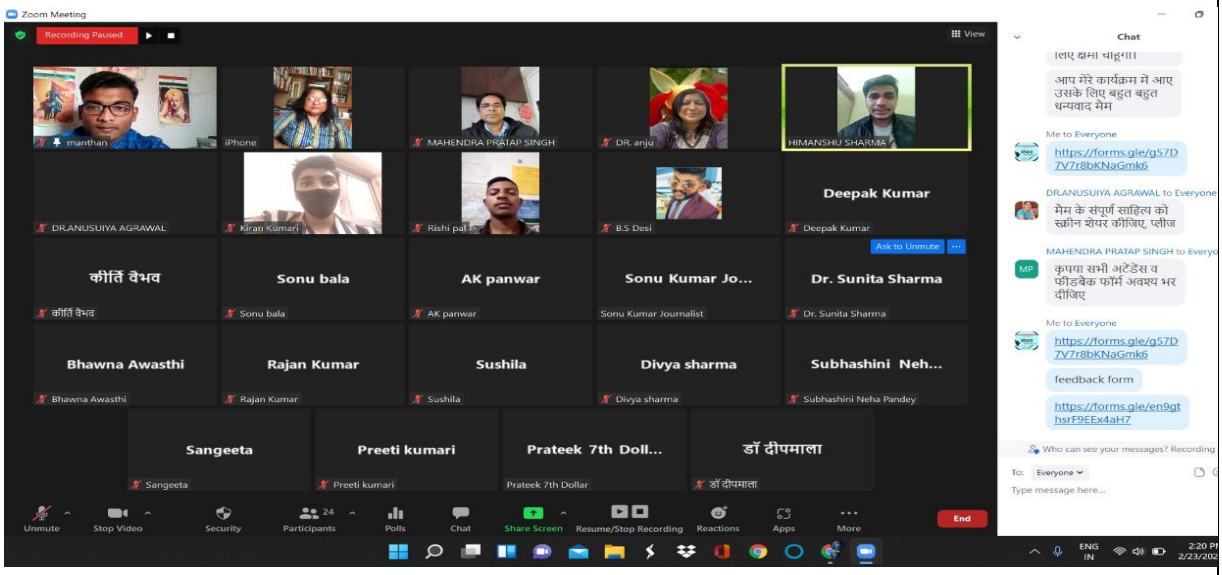

. .

Attach Photocopy of two Certificates

Signature:

Name: डॉ. अंजु

(प्रभारी)

(हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग)